

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

Supreme Tenderness

उत्तम ब्रह्मचर्य

Chastity or celibacy

उत्तम मार्दव

Tenderness or Humility

Supreme Honesty

उत्तम आर्जव

उत्तम शौच

मम आर्जव Contentment

उत्तम आकिंचन्य

Non-attachment

Straight-forwardness

or Honesty

or Honesty

उत्तम सत्य

उत्तम संयम

Supreme Self-restraint

उत्तम त्याग

उत्तम शौच

Supreme Austerities

उत्तम तारा

Renunciation

Contentment or Purity

उत्तम त्याग

Supreme Renunciation

उत्तम तप

उत्तम सत्य

Supreme Non-attachment

उत्तम आर्किंचय Pen

Penance or Austerities

Truthfulness

उत्तम संयम

Self-restraint

Supreme Chastity

उत्तम ब्रह्मचर्य

#DasLakshanParv'16

#00

#AadhyatmikPrayogshala

दशलक्षण महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

“धन्य मुनिदशा”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

Supreme Honesty

उत्तम शौच

Supreme Contentment

उत्तम सत्य

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

Supreme Self-restraint

उत्तम तप

Supreme Austerities

त्याग-विराग काष्ठ-खण्डों से बनी हुई उत्तम सीढ़ी ।

उत्तम त्याग

Supreme Renunciation

क्षमा आदि दस पाद-स्थल युत, मोक्षमहल को है जाती ॥

मुक्ति-कामिनी वाञ्छक नर को, यही नयैनी योग्य कही ।

उत्तम विराग

Supreme Dis-attachment

सुरपति से उन वन्द्य धर्म दश, धरने में नहीं हर्ष किसे? ॥

उत्तम ब्रह्मचर्य

Supreme Chastity

#DasLakshanParv

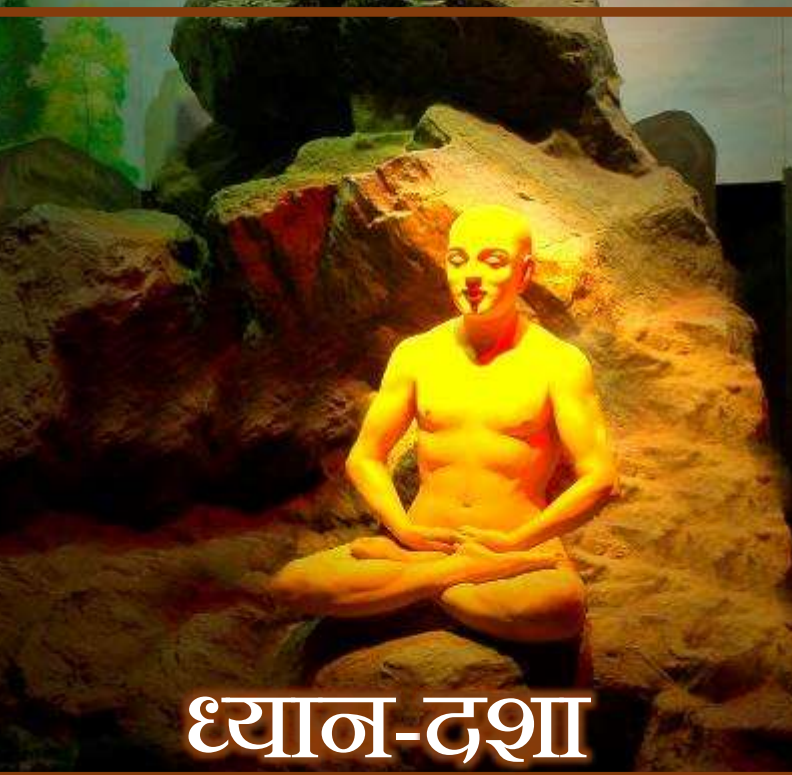
#AadhyatmikPrayogshala



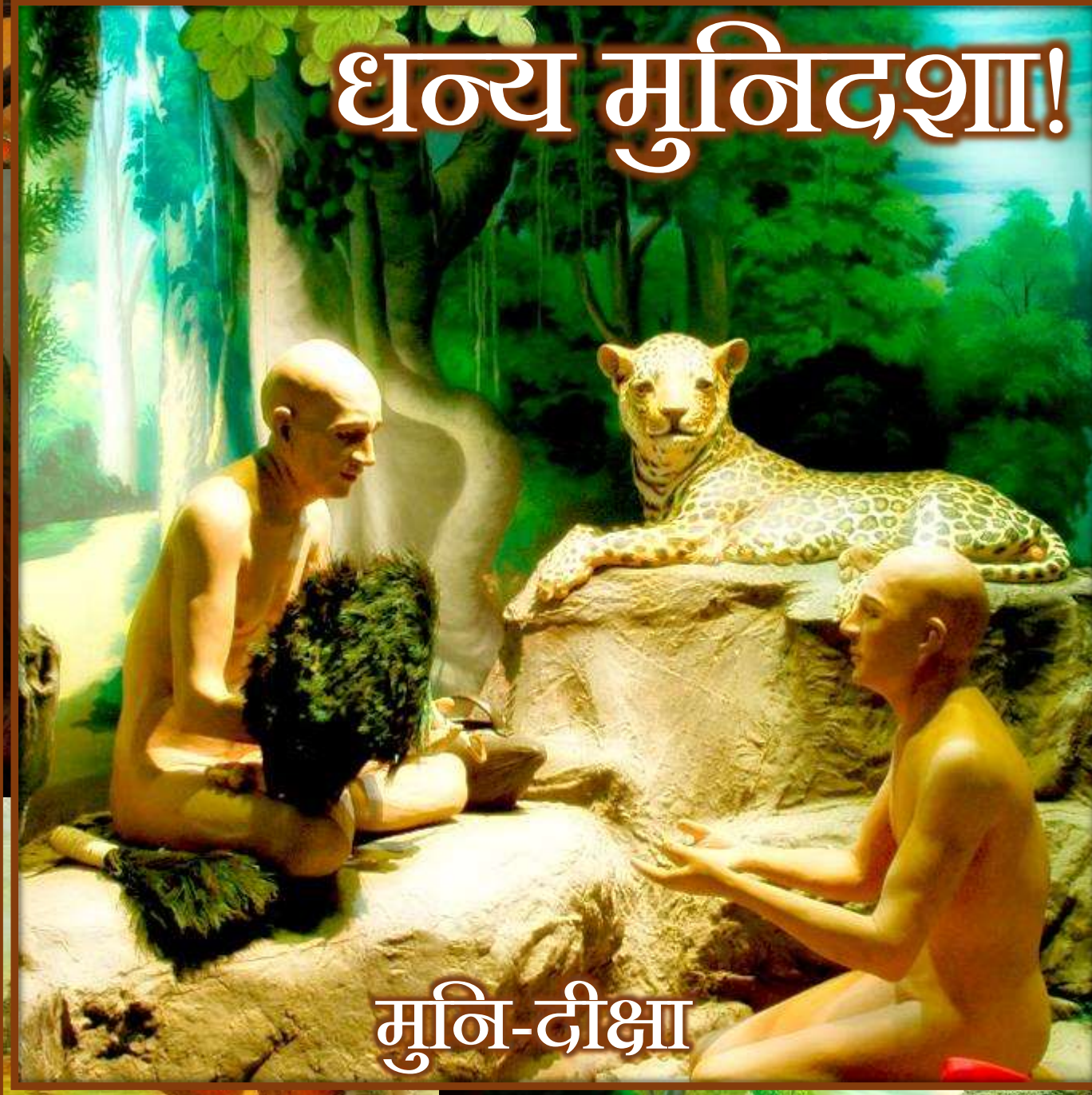
ધર્મોપદેશ



શાસ્ત્ર-રચના



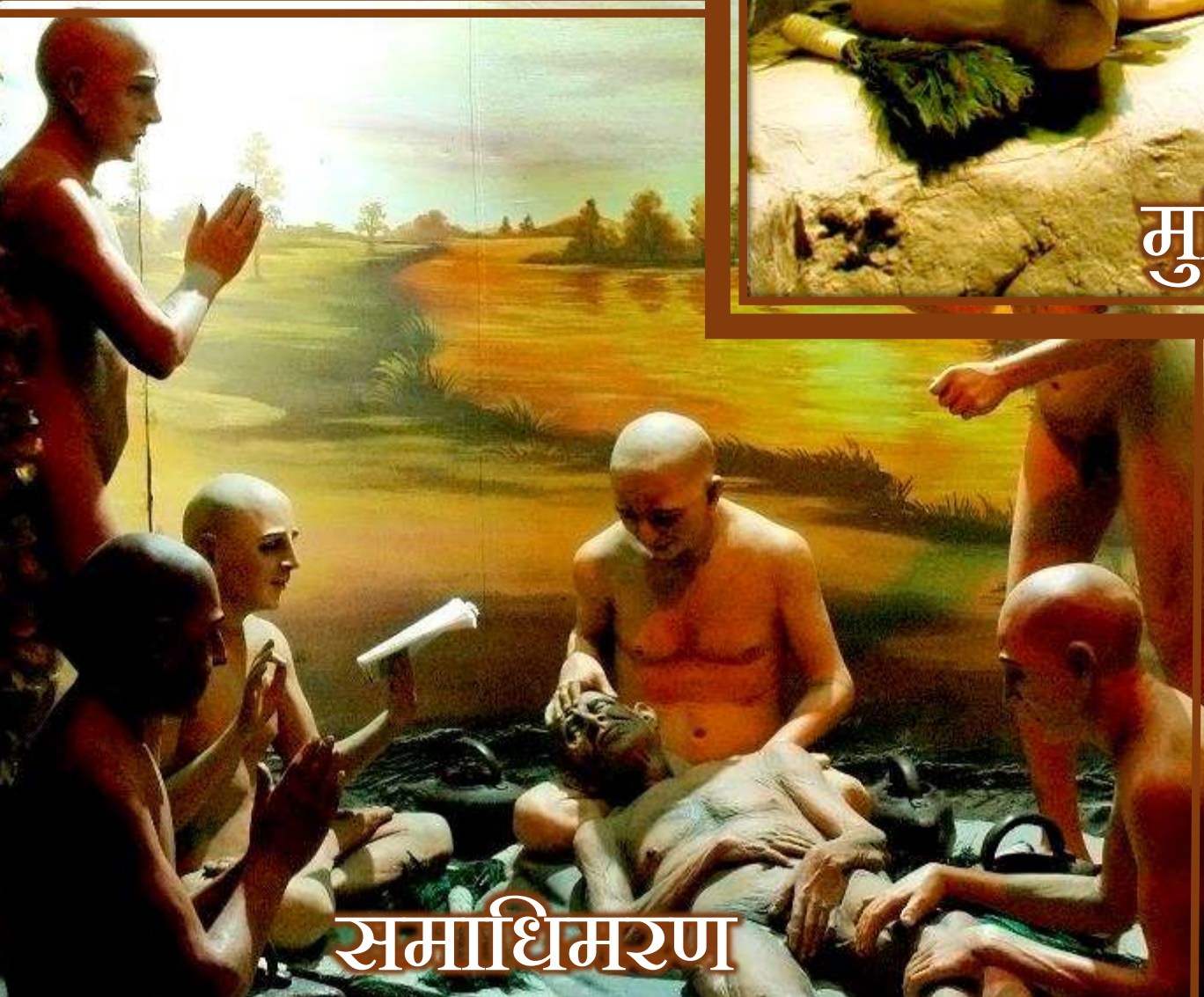
ધ્યાન-દશા



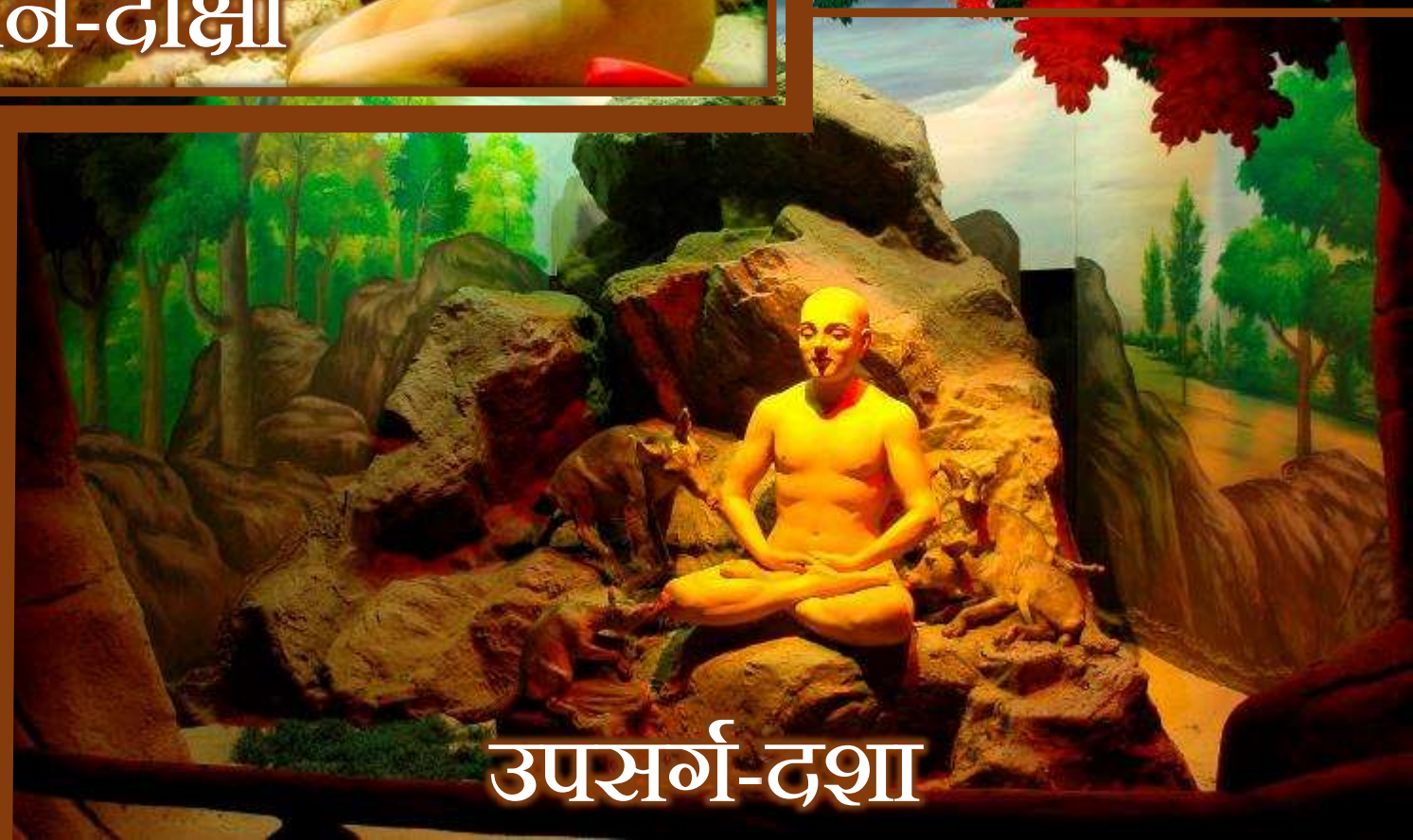
મુનિ-દીક્ષા



આહાર-ત્રયા



સમાધિમરણ



ઉપસર્ગ-દશા

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरित्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

Supreme Forgiveness

Supreme Tenderness

उत्तम मार्दव

Tenderness
or Humility

Supreme Honesty

Supreme Contentment

उत्तम आर्जव

Straight-

forwardness or

Honesty

Supreme Self-restraint

Contentment or

penances or austerities

उत्तम सत्य

Truthfulness

Supreme Non-attachment

Supreme Chastity

उत्तम संयम

Self-restraint

Penance or

Austerities

उत्तम आकिंचन्य

उत्तम ब्रह्मचर्य

उत्तम क्षमा

उत्तम मार्दव

उत्तम आर्जव

उत्तम ब्रह्मचर्य

Chastity or
celibacy

उत्तम शौच

उत्तम

आकिंचन्य

उत्तम सत्य

Non-

attachment

उत्तम संयम

उत्तम तप

उत्तम क्षमा

उत्तम मार्दव

उत्तम आर्जव

उत्तम ब्रह्मचर्य

उत्तम शौच

उत्तम सत्य

उत्तम संयम

उत्तम तप

उत्तम क्षमा

उत्तम मार्दव

उत्तम आर्जव

उत्तम ब्रह्मचर्य

उत्तम शौच

उत्तम सत्य

उत्तम संयम

उत्तम तप

स्वेच्छाचारी लोक हमें, चाहे जैसा माने मन में ।

किन्तु राग-द्वेषादि रहित हम, अपना निर्मल चित रखें ॥

राग-द्वेष परिणामों का फल, सबको मिलता अपने आप ।

प्रशमभावयुत मुनिजन को बस ! आत्मशुद्धि ही होती साध्य ॥

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

उत्तम मार्दव

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Tenderness or Humility

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

उत्तम क्षमा

Supreme
Forgiveness

उत्तम आर्जव

Straight-forwardness
or Honesty

उत्तम शौच

उत्तम ब्रह्मचर्य

Supreme Contentment

उत्तम शौच

Chastity or celibacy

उत्तम सत्य

Contentment or Purity

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

उत्तम आकिंचन्य

Supreme Self-restraint

उत्तम सत्य

Non-attachment

उत्तम तप

Truthfulness

Supreme Austerities

सुन्दर घर भी जले चतुर्दिश, तो बचने की क्या आशा ?।

प्रतिदिन जर्जर होती काया, के टिकने की क्या आशा ?।।

अतः मुनीश्वर निर्मल उर में, नित विवेक से करें विचार ।

जाति ज्ञान कुल आदि विषय में, मद का अवसर कैसे आय ?।।

उत्तम ब्रह्मचर्य

Austerities

Supreme Chastity

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

उत्तम आर्जव

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Straight-forwardness or Honesty

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

उत्तम मार्दव
Tenderness or
Humility

उत्तम शौच
Contentment or
Purity

Supreme Honesty

उत्तम शौच

Supreme Contentment

उत्तम क्षमा
Supreme
Forgiveness

उत्तम सत्य
Truthfulness

अति कष्टों से हुआ उपार्जित, जीवन भर का सद्-गुण-कोष ।

पूर्ण नष्ट हो जाता है यदि, एक बार हो माया-दोष ॥

क्रोधादिक सारे दुर्गुण ही, कपटभाव में छिपे रहें ।

माया से उत्पन्न पाप से, जीव चतुर्गति-भ्रमण करें ॥

उत्तम आकिंचन्य
Non-attachment

पenance or
Supreme Non-attachment
Austerities

उत्तम ब्रह्मचर्य

उत्तम त्याग
Renunciation

Supreme Chastity

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपस्त्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

उत्तम शौच

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Contentment or Purity

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

Straight-forwardness
or Honesty

उत्तम सत्य
Truthfulness

Supreme Honesty

उत्तम शौच

उत्तम मार्दव

Supreme Contentment

Tenderness or

Self-restraint

उत्तम सत्य

Humility

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

उत्तम क्षमा

Supreme Self-restraint

Supreme Forgiveness

उत्तम तप

Penance or

Supreme Austerities

गंगा-सागर पुष्करादि, तीर्थों में यदि स्नान करें।

किन्तु विशुद्धि न मन में हो तो, प्राणी सदा अशुद्ध रहें ॥

मिथ्यात्वादि मलों से मैला, मन हो शुद्ध कहां कैसे ?।

मद्य भरा घट शुचि कैसे हो, कितना भी धोएँ जल से ॥

उत्तम ब्रह्मचर्य

Supreme Chastity

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरित्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

उत्तम सत्य

Supreme Tenderness

Truthfulness

उत्तम शौच

उत्तम संयम

उत्तम आर्जव

Contentment or Purity

Self-restraint

Supreme Honesty

उत्तम शौच उत्तम आर्जव

Straight-forwardness or

उत्तम तप

Penance or Austerities

उत्तम सत्य

Honesty

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

Supreme Self-restraint

उत्तम मार्दव

नरपति हो या सुरपति अथवा, हो जाए भव-सागर-पार ।

उत्तम तप

Renunciation

ये फल तो आगामी भव में, सत् वक्ता को होते प्राप्त ॥

उत्तम क्षमा

किन्तु इसी भव में वे पाते, उज्ज्वल कीर्ति चन्द्र-समान ।

उत्तम क्षमा

कैसे वर्णन करें सुफल का, सज्जन गण करते सन्मान ॥

उत्तम आकिंचन्य

Supreme Forgiveness

Non-attachment

Supreme Non-attachment

उत्तम ब्रह्मचर्य

Chastity or celibacy

Supreme Chastity

उत्तम ब्रह्मचर्य

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपस्त्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

उत्तम संयम

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Self-restraint

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

उत्तम सत्य
Truthfulness

उत्तम तप
Penance or Austerities
Supreme Honesty

उत्तम शौच

उत्तम शौच

Supreme Contentment

उत्तम सत्य

Contentment or Purity

Renunciation

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

उत्तम आर्जव

Supreme Self-restraint

उत्तम आकिंचन्य

Non-attachment

उत्तम तप

Straight-forwardness or

Supreme Austerities

Honesty

यह नरभव मिलना दुर्लभ है, उसमें दुर्लभ उत्तम जाति ।

उत्तम दाम्पत्य

आप्त वचन सुनना दुर्लभ है, उसमें भी दुर्लभ दीर्घायु ॥

उत्तम मार्दव

उत्तम आकिंचन्य

ये सब होवें प्राप्त किन्तु, दुर्लभ है सम्यग्दर्शन-ज्ञान ।

Supreme Non-attachment

Chastity or celibacy

इनसे भी अति दुर्लभ संयम, क्यों न प्रशंसा करें सुजान ?॥

Supreme Forgiveness

उत्तम ब्रह्मचर्य

Supreme Chastity

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम तप

Penance or Austerities

Supreme Tenderness

उत्तम मार्दव

उत्तम संयम

उत्तम त्याग

Renunciation Supreme Honesty

उत्तम आर्जव

Self-restraint

उत्तम शौच

उत्तम सत्य

उत्तम अकिंचन्य

Non-attachment

Truthfulness

उत्तम सत्य

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

Supreme Self-restraint

उत्तम शौच

उत्तम ब्रह्मचर्य

Contentment or Purity

Chastity or celibacy

उत्तम तप

Supreme Austerities

विषय-कषायरूप तरकर हों, उद्धत और महाबलवान् ।

किन्तु सुभट तप-सन्मुख हो तो, तत्क्षण ही होते निष्प्राण ॥

धर्मरूपी लक्ष्मी से शोभित, योगी तप-योद्धा के संग ।

शिवपुर-पथ में गमन करें वे, अति सुख से होकर निःशंक ॥

उत्तम ब्रह्मचर्य

Supreme Chastity

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम त्याग

Renunciation

Supreme Tenderness

उत्तम मार्दव

उत्तम तप

उत्तम आकिंचन्य

उत्तम आर्जव

Penance or Austerities

Non-attachment
Supreme Honesty

उत्तम शौच

उत्तम संयम

Supreme Brahmacharya
Supreme Self-restraint

Chastity or celibacy

उत्तम सत्य

Self-restraint

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

उत्तम सत्य

Supreme Self-restraint

Truthfulness

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम तप

Supreme Austerities

निर्मोही हो चारु चरित-धर, निज-हित में ही लीन रहें ।

मोक्षहेतु गृह-त्याग करें तप, ऐसे साधु विरले हैं ॥

स्वयं तपें तप अन्य मुनी को, शास्त्रदिक दे करें सहाय ।

दुर्लभ से दुर्लभ हैं ऐसे, मुनिवर जो जग को सुखदाय ॥

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपस्त्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

उत्तम आकिंचन्य

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Non-attachment

Supreme Tenderness

उत्तम त्याग

उत्तम ब्रह्मचर्य

उत्तम आर्जव

Renunciation

Chastity or celibacy Supreme Honesty

उत्तम शौच

उत्तम तप

Penance or Austerities

उत्तम क्षमा

Contentment

Supreme Forgiveness

उत्तम सत्य

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

उत्तम संयम

Supreme Self-restraint

Self-restraint

उत्तम मार्दव

Tenderness or Humility

उत्तम तप

Supreme Austerities

श्रुत की व्याख्या करना एवं, निर्ग्रन्थों को ग्रन्थ प्रदान ।

प्रीतिसाहित्यति को दे संयम-साधन, यह श्रावक का दान ॥

‘किंचित् भी नहीं मेरा’ हूँ ऐसा, हो विचार तन से निर्मम ।

आकिंचन्यधर्म यह भव-नाशक है श्रेष्ठ कहें सज्जन ॥

उत्तम ब्रह्मचर्य

Contentment or Purity

Supreme Chastity

दशलक्षणा महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

उत्तम क्षमा

उत्तम ब्रह्मचर्य

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Chastity or celibacy

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

उत्तम आकिंचन्य

उत्तम क्षमा

उत्तम आर्जव

Non-attachment

Supreme Forgiveness

Supreme Honesty

उत्तम शौच

उत्तम त्याग

उत्तम मार्दव

Contentment

Renunciation

Tenderness or Humility

उत्तम सत्य

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

उत्तम तप

Supreme Self-restraint

उत्तम आर्जव

Penance or Austerities

Straight-forwardness or Honesty

उत्तम तप

Supreme Austerities

जिसका संग अधिकरण जगत् का, तीव्र दुःखों की पैनी धार ।

प्राणी भ्रमते मृत-पिण्डीवत्, पर्यायें धर विविध प्रकार ॥

उस नारी को जो मुमुक्षु यति, लखें मोह को कर उपशांत ।

माता-बहन-सुता-सम वे ही, पाते हैं व्रत ब्रह्म परम ॥

उत्तम ब्रह्मचर्य

Truthfulness

Supreme Chastity

दशलक्षण महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

“क्षमा-वाणी”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

Supreme Honesty

उत्तम शौच

Supreme Contentment

उत्तम सत्य

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

Supreme Self-restraint

उत्तम तप

Supreme Austerities

क्रोधादिक हों कर्मोदय से, ये आत्म के नहीं विकार ।

उत्तम त्याग

Supreme Renunciation

लाल फूल के आश्रय से ज्यों, स्फटिकमणि दिखता है लाल ॥

परिसे हुआ चित्त वह पर है, कर्म हेतु है विकृति का ।

मैं अविकारी ज्ञान-स्वरूपी, मैं हूँ उनसे भिन्न सदा ॥

उत्तम ब्रह्मचर्य

Supreme Chastity

#DasLakshanParv

#AadhyatmikPrayogshala

दशलक्षण महापर्व

“उत्तमक्षमामार्दवार्जवसत्यशौचसंयमतपरत्यागाकिंचन्यब्रह्मचर्याणि धर्मः ।”

“क्षमा-वाणी”

उत्तम क्षमा

Supreme Forgiveness

उत्तम मार्दव

Supreme Tenderness

उत्तम आर्जव

Supreme Honesty

उत्तम शौच

Supreme Contentment

उत्तम सत्य

Supreme Truthfulness

उत्तम संयम

Supreme Self-restraint

उत्तम तप

Supreme Austerities

दर्जन होय सुखी मम दोषों, को दुनिया में घोषित कर ।

उत्तम परत्याग
Supreme Renunciation

धन-लोभी सर्वस्व ग्रहण कर, बैरी मम जीवन लेकर ॥

मध्यस्थ गहें मेरी पदवी सब, जीव जगत् के सुखी रहें ।

उत्तम ब्रह्मचर्य
Supreme Chastity

करूँ पुकार जगत् में मुझसे, नहीं किसी को दुःख पहुँचे ॥

उत्तम ब्रह्मचर्य
Supreme Chastity

#DasLakshanParv

#AadhyatmikPrayogshala